कुल पृष्ठ संख्या 32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 1163455

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) 2 9 0 4 2 4 0

(In Words) TWENTY NINE LAC FOUR THOUSAND TWO HUNDRED FORTY

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में शब्दों में उनतीस लाख चार हजार दो सौ चालीस

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 09-03-24

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	8	19	2
2	5	20	1½
3	7	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	3	योग	55½
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	4	56	छप्पन
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर [signature] संकेतांक 3 1 9 5 3

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धास्ति शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

1. बहुविकल्पिय प्रश्न -

प्रश्न	उत्तर
(i)	[ब]
(ii)	[द]
(iii)	[ब]
(iv)	[ब]
(v)	[अ]
(vi)	[अ]
(vii)	[अ]
(viii)	[द]
(ix)	[अ]
(x)	[स]

प्रश्न	उत्तर
(xi)	[द]
(xii)	[अ]
(xiii)	[ब]
(xiv)	[द]
(xv)	[ब]
(xvi)	[अ]

P.T.O

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2.	रिक्त स्थान -
	(i)	ग्रिफिथ टेलर
	(ii)	भौतिक
	(iii)	उद्गम स्थान
	(iv)	विश्व व्यापार संगठन [WTO]
5	(v)	पाइप लाइन
	(vi)	पश्चिम बंगाल
	(vii)	प्रागैतिहासिक
	(viii)	दक्षिण - पश्चिमी
	(ix)	सिंचाई
	(x)	लौह - इस्पात

BSER-17592023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5. अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

(i) जनसंख्या प्रवास :- जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर विभिन्न कारणों की वजह से स्थानांतरित होते है अथवा अपने मूल निवास स्थान को छोड़कर दूसरी जगह जाते है, तो उसे जनसंख्या प्रवास कहते है।

(ii) द्वि - पार्श्विक व्यापार :- दो देशों के मध्य विभिन्न वस्तुओ और सेवाओं के आदान -प्रदान को द्वि- पार्श्विक व्यापार कहते है। यह दो देशों के मध्य होता है।

(iii) मानव निर्मित नौ वहन नहर :- ~~पा~~ पनामा नहर को पनामा जलडमरूमध्य के आर- पार संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित किया गया था।
इसमें छः जलबंधक तंत्र है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) सुदूर जंगलों तथा पहाड़ी ढलानों पर एकाकी झोंपड़ियों के रूप में विकसित होने वाली बस्तियों को परिक्षिप्त या एकाकी ग्रामीण बस्तियाँ कहा जाता है।

1

(v) मानव विकास सूचकांक :- यह विभिन्न देशों के मध्य मानव विकास मूल्य का मापन है, इससे देशों के विकास दर का मापन किया जाता है।

इसे सन् 1990 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

1

(vi) जल परिवहन :- यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है, क्योंकि -

1

(1) इसमें मार्गों का निर्माण नहीं करना पड़ता है, इसमें सभी महासागर आपस में जुड़े होते हैं।

(2) इस परिवहन में ऊर्जा लागत भी कम आती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(3.) इसमे किसी भी प्रकार के अनाज चलाए जा सकते है।

(vii) भू-निम्नीकरण को रोकने के उपाय :- निम्न प्रक्रिया द्वारा हम भू-निम्नीकरण को रोक सकते है -

(1.) रासायनिक खाद तथा उर्वरकों का कम उपयोग करना चाहिए।

(2) सिंचाई को सिमित मात्रा मे करनी चाहिए क्योंकि अधिक सिंचाई से भूमि लवणीकरण हो जाती है।

(3) पशुओं के गोबर की खाद तथा हरि खाद का उपयोग करना चाहिए।

खण्ड - ब

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

4. आर्थिक भूगोल के दो उपक्षेत्र :- निम्न है -

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1) संसाधन भूगोल

½ (2) कृषि भूगोल

उपर्युक्त दोनों आर्थिक भूगोल के दो उपक्षेत्र है।

---

5. कोलखहोज :-

रूस में कि जाने वाले वाली सामूहिक कृषि को, वहां कोलखहोज कहा जाता है।

½ इस पर स्वामित्व सरकार का होता है। इस कृषि को समाजवादी देशो मे किया जाता है।

इस कृषि में कृषकों का एक बड़ा समूह कार्य करता है। इस कृषि मे उत्पादन अनुमान से ज्यादा होने पर इसे कृषको मे वितरित कर दिया जाता है।

इस कृषि का आरम्भ रूस मे खाद्यान्नो की आपूर्ति को पूरा करने के लिए किया गया था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

6. पशु आधारित उद्योग :- इस उद्योग मे पशुओं की खालों पर चमड़ा तथा ऊन व दांतो का उपयोग करते है।
जैसे - ऊन उद्योग मे ऊन भेड़ों से प्राप्त होती है तथा हाथी दांत उद्योग में दांत हाथी से प्राप्त होते है।

पशु आधारित दो उद्योग निम्न है - निम्न है:-

(1) चमड़ा उद्योग

(2) ऊनी वस्त्र उद्योग

7. भारतीय भाषा परिवार :- भारत भाषायी विविधता वाला देश है इसमें अनेक भाषा बोलने वाले लोग निवास करते है।
भारत मे चार भाषा परिवार निवास करते है
भारत के अलग - अलग क्षेत्र मे भिन्न - भिन्न भाषा बोली जाती है।

P.T.O.

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भारत के तीन भाषा परिवार :- निम्न है-

(1.) भारतीय आर्य

(2) द्रविड़ भाषा

(3) ऑस्ट्रिक भाषा

---

8. शुष्क भूमि कृषि :- शुष्क भूमि कृषि वह कृषि होती है, जिसमें 75 से.मी. से कम वार्षिक वर्षा होती है।

इसमें सूखा सहन करने वाली फसलो को बोया जाता है जैसे- बाजरा, ज्वार, राई इत्यादि।

इस कृषि में सिंचाई द्वारा फसलों को आवश्यकता के अनुसार सिंचाई कर दी जाती है।

यह कृषि मानसुनो पर निर्भर होती है।

इस कृषि को मुख्यत: राजस्थान गुजरात महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश में किया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

9. जल प्रदुषण के दुष्परिणाम :-

जल प्रदुषण से मनुष्य को अनेक बिमारियों तथा समस्याओं से गुजरना पड़ता है।

इसके निम्नलिखित दुष्परिणाम हो सकते हैं -

(1) जल प्रदुषण से मनुष्य को अतिसार, हेपेटाइटिस जैसी बिमारियाँ झेलनी पड़ती है।

(2) जल प्रदुषण से मनुष्य के शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

(3) जल प्रदुषण से भूमि की उर्वरा क्षमता भी कम होती है तथा जल की गुणवत्ता में भी कमी आती है।

1½

10. रेल पटरी की चौडाई के पर भारतीय रेलवे के वर्ग निम्न है :- निम्न वर्ग है -

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तीन वर्ग है-

(i) ब्रॉड गेज

(ii) मीटर गेज

(iii) नैरो गेज

(i) ब्रॉड गेज :- इसे बड़ी लाइन भी कहते है इसकी चौड़ाइ एक मीटर से अधिक 1.5 तथा 1.4 हो सकती है।

(ii) मीटर गेज :- इसकी चौड़ाई 1 मीटर होती है। इसे मानक लाइन भी कहते है।

(iii) नैरो गेज :- इसे छोटी लाइन भी कहते है इसकी चौड़ाइ एक मीटर से कम 0.700 होती है।

2

BSEB 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. समुद्री पतन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार :-

समुद्री पतनों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार माना जाता है। इसके निम्न कारण है:-

(i) समुद्री पतनों पर किसी देश द्वारा ~~आयातित~~ निर्यातित वस्तुओं का नियंत्रण तथा आयतित वस्तुओं का वितरण किया जाता है।

(ii) समुद्री पतनों से भारी स्थूल भार को जहाजों द्वारा आसानी से दुसरे देश मे ले जाया जाता है।

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अधिकांश व्यापार समुद्री पतनों द्वारा ही किया जाता है।

इस कारण समुद्री पतनों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वारा कहा जाता है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

12. प्रवास करने के उद्देश्य :- प्रवास करने के पीछे लोगों के अनेक उद्देश्य होते है यथा -

(i) रहन - सहन की निम्न दशाएँ / उच्च दशाएँ।

(ii) बेरोजगारी तथा इसी प्रकार रोजगार के अवसर

(iii) प्रवास करने के दो कारक होते है जो निम्न है -

1½

1. प्रतिकर्ष कारक :- इसमें मनुष्य अपने निवास को छोड़कर दूसरी जगह जाता है। यथा - बेरोजगारी, प्रतिकूल जलवायु, राजनीतिक अस्थिरता आदि कारण है।

2. अपकर्ष कारक :- यह मनुष्य को उद्गम स्थान की अपेक्षा गन्तव्य स्थान पर अधिक आकर्षित करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यथा,- अनुकूल जलवायु शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएँ आदि कारण है।

---

13. **ट्रक कृषि :-** जिस कृषि मे सिर्फ साब्जियाँ उगायी जाती है उसे ट्रक कृषि कहते है।

1½

एक ट्रक रात भर चलकर साब्जियों को नगरो तक पहुँचाता है ट्रक द्वारा रात भर मे तय की गयी दूरी के आधार पर इसे ट्रक कृषि कहा जाता है।

इसमे, ट्रक द्वारा साब्जियों को नगरों तक पहुँचाया जाता है।

खण्ड - स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

14. **ग्रामीण विपणन केन्द्र :-** ग्रामीण विपणन केन्द्र समीपवर्ती बस्तियों का पोषण करते है। यह अर्द्ध-नगरीय तथा अर्द्ध-निर्मित

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बस्तियाँ होती है। इन केंद्रो द्वारा ग्रामीण लोगों की आधारभुत आवश्यकताओ को पुरा किया जाता है।
यह केंद्र ग्रामीण क्षेत्रो के पास लगाए जाते है। इन केंद्रो का निर्माण पूर्ण रूप से नहीं होता है।
इन विपणन केन्द्रों को ग्रामीण बस्तियों के पोषण के आधार पर जाना जाता है।
इन विपणन केन्द्रो में फुटकर व्यापार तथा थोक व्यापार जैसे व्यापारिक केन्द्र भी होते है जो ग्रामीण लोगों की जरूरतों की पूर्ति करते हैं।
ग्रामीण विपणन केन्द्र अल्प विकसित होते है जो धीरे-धीरे प्रगति कर पाते है।
इन विपणन केन्द्रो द्वारा ग्रामीणों की आधारभूत आवश्यता जैसे चिकित्सा उपचार पंसारी का सामान आदि मिल जाता है।
इन केन्द्रो मे कुछ केन्द्र ऐसे होते है जो साप्ताहिक या पाक्षिक लगाए जाते है, जो कुछ समय के लिए निश्चित तिथी तथा वार को लगाए जाते हैं।

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

यद्यपि केन्द्र ग्रामीणों का तथा समीपवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं, इसलिए इस इन्हें ग्रामीण विपणन केन्द्र कहा जाता है।

---

15. भारत में वन क्षेत्रों और कृषि कार्यों तथा परती भूमि में वृद्धि के निम्न कारण हो सकते हैं -

(1) वन क्षेत्रों में वृद्धि के कारण :- वन क्षेत्रों में वृद्धि इस कारण हुई है यथा - भू-राजस्व विभाग वन क्षेत्रों का आरक्षण कर उनका संवर्ग प्रस्तुत करता है उसने उन क्षेत्रों को इस संवर्ग में सम्मिलित किया जिन क्षेत्रों में वनों के भविष्य में विकसित होने के अनुमान है। इस आधार पर वन क्षेत्रों में वास्तविक वृद्धि नहीं हुई यह एक काल्पनिक भूमि है।

P.T.O.

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गैर-कृषि कार्यों मे वृद्धि के कारण :-

आधुनिक विश्व में गैर-कृषि कार्यों में भूमि की उपयोगिता बढ़ रही है। वर्तमान मे अनेक बंजर तथा परती भूमियाँ को गैर-कृषि कार्यों मे प्रयुक्त हो रही है, जिस कारण कृषि क्षेत्र मे कमी हो रही है। तथा गैर-कृषि कार्यो मे भूमि की वृद्धि हो रही है।

(3) परती भूमि मे वृद्धि :-

वर्तमान मे अत्याधिक रसायनिक उत्पाद तथा उर्वरकों के कृषि में उपयोग से भूमि की उर्वरा क्षमता कम हो रही है जिससे खाद्यान्न उत्पादन मे भी कमी आ रही है। इसलिए भूमि की उर्वरा क्षमता वापस लाने के लिए भूमि को परती छोड़ा जा रहा है जिससे परती भूमि के संवर्ग में वृद्धि हो रही है।

Sl.No. : 3681

-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2024

भूगोल

GEOGRAPHY

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

B.S.E.R. V

Outline Map of the World

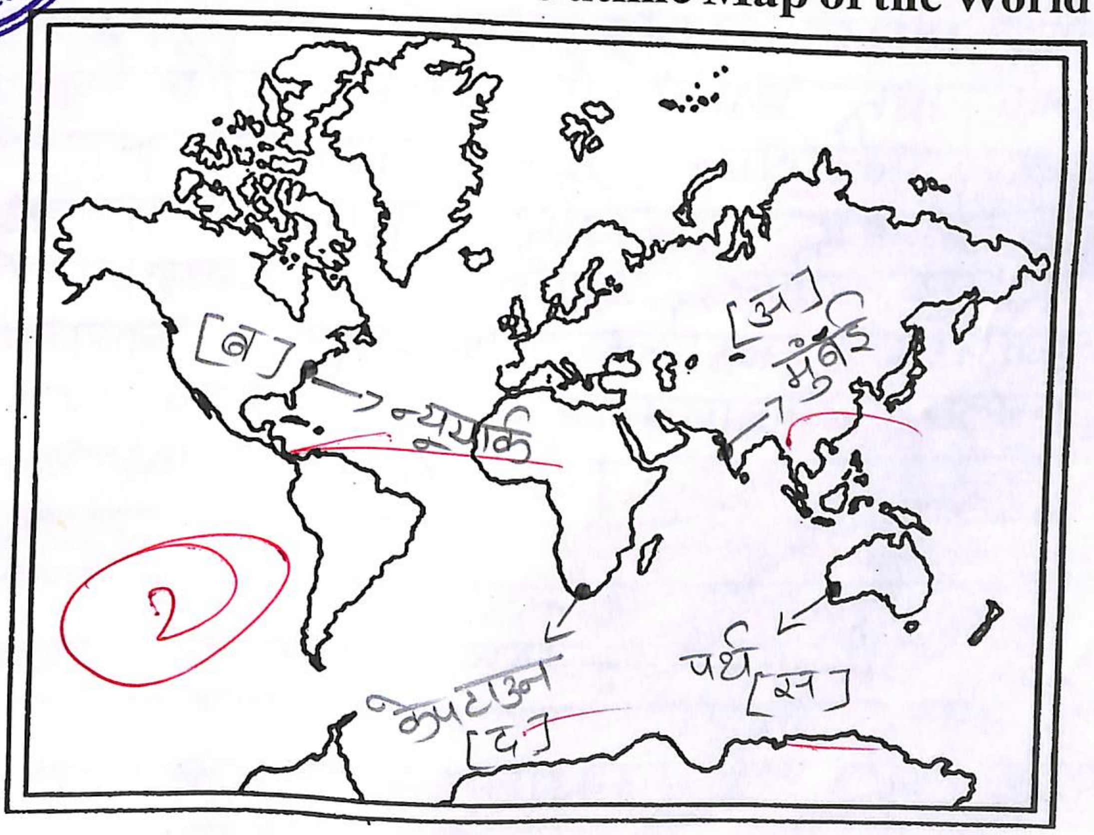

5010

वर्तमान
कार्यों में
है।
परती
में
कारण
रही है।
भूमि

उत्पादक
उर्वरकों
भूमि
रही
में भी

उर्वरा क्षमता
को
जिससे
वृद्धि

Sl.No. : 368

S-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2024

भूगोल

GEOGRAPHY

Outline Map of India

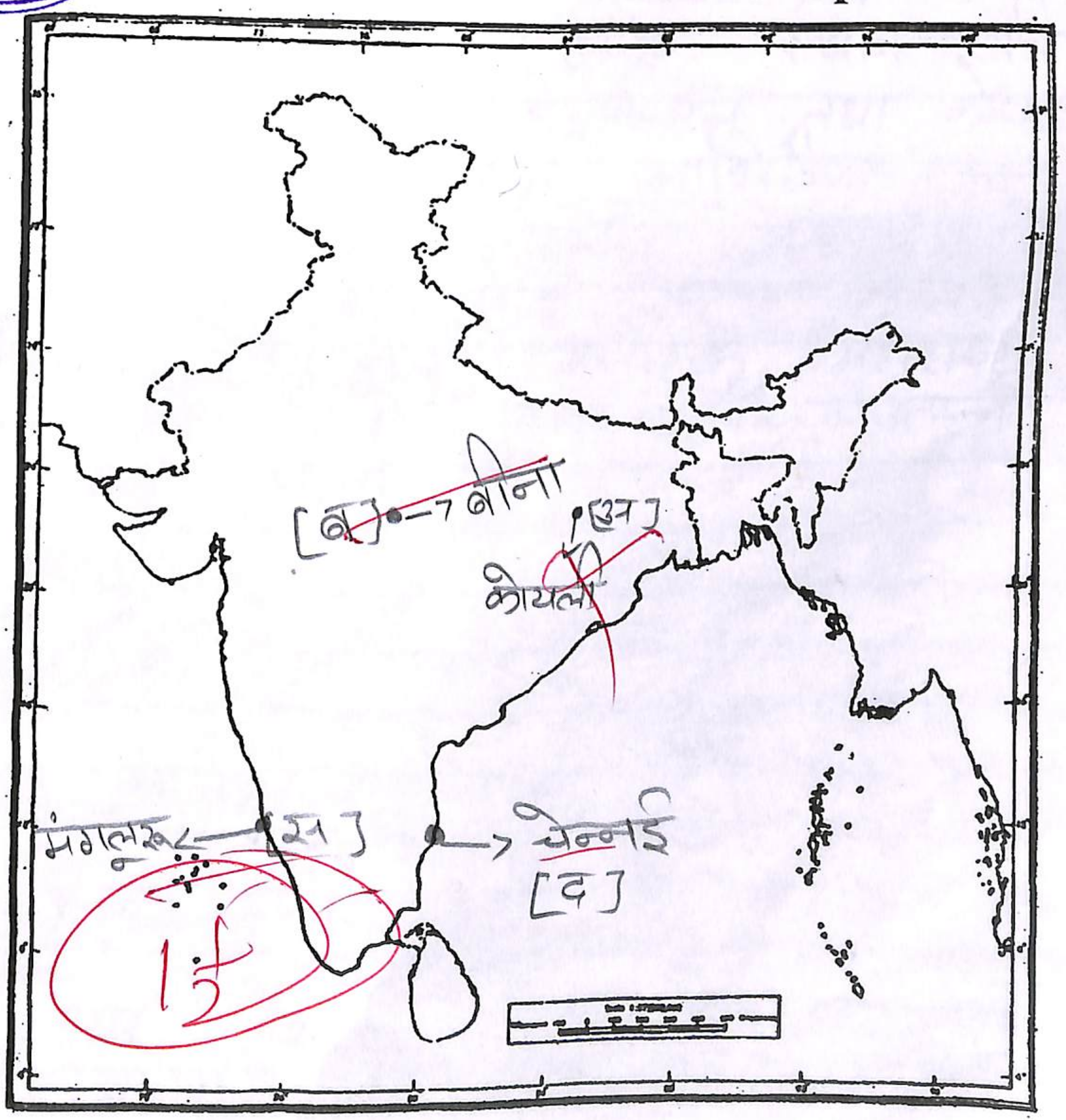

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16. भारत मे सौर ऊर्जा :-

वर्तमान मे परम्परागत ऊर्जा स्रोतों मे कमी के कारण भारत सरकार सौर ऊर्जा का उत्पादन करने मे विशेष ध्यान दे रही है।

भारत मे सौर ऊर्जा स्रोत के उत्पादन के लिए अनेक स्थान उचित है। सौर ऊर्जा पेट्रोलियम तथा कोयला से 7 प्रतिशत तथा नाभिकिय ऊर्जा से 10 प्रतिशत अधिक प्रभावी है।

भारत मे सौर ऊर्जा मुख्यत: राजस्थान गुजरात कर्नाटक महाराष्ट्र आदि राज्यों मे सफलतापूर्वक उत्पन्न की जा सकती है।

3

भारत मे पवन ऊर्जा :-

पवन ऊर्जा एक नव्य- करणीय संसाधन है। यह प्रदूषण मुक्त ऊर्जा है।

पवन ऊर्जा भारत मे 5,0000 मेगा वाट तक उत्पन्न की जा सकती है तथा 2000 मेगा वाट ऊर्जा का प्रयोग भी किया जा सकता है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पवन ऊर्जा भारत में मुख्यतः राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों में सफलता पूर्वक उत्पन्न की जा सकती है।
पवन ऊर्जा से भारत में पेट्रोलियम तथा कोयला का उत्पादन तथा उपभोग कम किया जा सकता है।

खण्ड - द

निबंधात्मक प्रश्न -

17. रोपण कृषि :- रोपण कृषि एक लाभोन्मुक्त लाभोन्मुक्त कृषि है।
इस कृषि में अधिक पूंजी निवेश करना पड़ता है।
इस कृषि की शुरुआत यूरोपिय उपनिवेश युग में हुई थी। उन्होंने विभिन्न देशों में इस कृषि की शुरुआत की थी।
इस कृषि से व्यापार भी किया जाता है।
यह मूलतः व्यापारिक कृषि है।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रोपण कृषि की चार फसले :- निम्न है-

(i) चाय

(ii) कॉफी / कहवा

(iii) गन्ना

(iv) नारियल

4

BSER-175/2023

तीन विशेषताएँ निम्न है =>

(i) इस कृषि मे खेतो का आकार विस्तृत होता है।

(ii) इस कृषि मे श्रमिको को आसानी से खोजा जा सकता है। इसमे कम श्रमिक लागत मे ही श्रमिक मिल जाते है।

(iii) यह एक लाभोन्मुक्त कृषि है। यह मुलत: व्यापारिक कृषि है। जिसे विभिन्न देश व्यापार करने के लिए विस्तृत रूप मे उत्पादित करते है।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

18. सतत पोषणीय विकास :- निर्विघ्न अर्थ अवसरों की उपलब्धता में निरन्तरता है।
सतत पोषणीय विकास का अर्थ है कि भावी पीढ़ी की जरूरतो ध्यान में रखते हुए वर्तमान पीढ़ी की जरूरतो को बढ़ाया जा सके।
सतत पोषणीय विकास को 1987 में बर्टलैंड रिपोर्ट अवर कॉमन फ्यूचर द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
इसमे पर्यावरण के मुद्दे को लेकर जो विश्व पर्यावरणविदों की चिन्ता थी उसे बताया गया है।
सतत पोषणीय विकास को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि हर पिढ़ी की जरूरतो को ध्यान में रखा जा सके।
इस विकास में संसाधनो की पहुँच, शिक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखा गया था।

BSER-175/2023

परीक्षार्थी उत्तर

सतत पोषणीय विकास को हर देश के लिए मान्य बताया गया है। इस विकास में जल संसाधनों के संरक्षण को भी बढ़ावा दिया गया था।

बर्टलैंड रिपोर्ट जर्मनी की प्रधानमंत्री बर्टलैंड द्वारा प्रस्तावित किया गया था जिस आधार पर इसे बर्टलैंड रिपोर्ट कहा गया है।

(4) सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के उपाय –

निम्न निम्न उपाय है –

(i) सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के लिए संसाधनों के सीमित उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

(ii) इस विकास को बढ़ावा देने के लिए सभी लोगों को सतत पोषणीय विकास के प्रति जागरूक किया जाए ताकि वे भविष्य की पिढ़ियों के विकास को भी ध्यान में रख सके।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) सतत पोषणीय विकास को बढावा देने के लिए सीमित संसाधनों तथा जल्दी नष्ट होने वाले संसाधनों पर पाबंदी या सीमित उपयोग कर दिया जाना चाहिए।

19. आगे मानचित्र में देखें –

20. आगे मानचित्र में देखें –

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 175/2023